



प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण

[स्रोत: इकॉनॉमिक टाइम्स](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में, भारत सरकार ने [प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण \(PMAY-G\)](#) के अंतर्गत अपनी ग्रामीण आवास योजना को बढ़ाने के लिये देश भर में कच्चे घरों का सर्वेक्षण शुरू करके और [आवास सखी मोबाइल ऐप लॉन्च](#) करके महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

- इस पहल का उद्देश्य पक्के (सभी मौसम के अनुकूल) घरों के लिये नए लाभार्थियों की पहचान करना तथा अपर्याप्त आवास वाले परिवारों की मदद करना है।

कच्चे मकानों के सर्वेक्षण का उद्देश्य क्या है?

- **आवास की अपर्याप्तता को संबोधित करना:** इसका उद्देश्य कच्चे मकानों में रहने वाले परिवारों के बारे में आँकड़े एकत्र करना है, ताकि सरकार को सबसे अधिक आवश्यकता वाले लोगों पर अपने संसाधनों को केंद्रित करने में सहायता मिल सके।
- **आवास सखी मोबाइल ऐप को समर्थन:** यह सर्वेक्षण हाल ही में लॉन्च आवास सखी मोबाइल ऐप का पूरक होगा, जो लाभार्थियों के लिये आवेदन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करता है तथा उन्हें आवास से संबंधित जानकारी और संसाधनों तक आसान पहुँच प्रदान करता है।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G) क्या है?

- वर्ष 2016 में शुरू की गई PMAY-G का उद्देश्य समाज के सबसे गरीब लोगों को आवास उपलब्ध कराना है।
 - यह सुनिश्चित करने के लिये कि सहायता सबसे अधिक पात्र लोगों तक पहुँचे, प्राप्तकर्ताओं का चयन एक कठोर तीन-चरणीय सत्यापन प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है, जिसमें [सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना 2011](#), [ग्राम सभा](#) की मंजूरी और जियो-टैगिंग शामिल है।
- **PMAY-G के अंतर्गत लाभार्थियों को प्राप्त होगा:**
 - **वित्तीय सहायता:** मैदानी क्षेत्रों में 1.20 लाख रुपए तथा पूर्वोत्तर राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों सहित पहाड़ी राज्यों में 1.30 लाख रुपए।
 - **शौचालयों हेतु अतिरिक्त सहायता:** [सुवच्छ भारत मिशन - ग्रामीण \(SBM-G\)](#) या [महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना](#) या किसी अन्य समर्पित वित्त पोषण स्रोत जैसी योजनाओं के साथ अभिसरण के माध्यम से शौचालयों के निर्माण के लिये 12,000 रुपए।
 - **रोजगार सहायता:** आवास निर्माण के लिये [महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना](#) के माध्यम से लाभार्थियों के लिये 90/95 व्यक्ति-दिवस अकुशल मजदूरी रोजगार का अनिवार्य प्रावधान।
 - **बुनियादी सुविधाएँ:** प्रासंगिक योजनाओं के साथ अभिसरण के माध्यम से पानी, [तरलीकृत पेट्रोलियम गैस \(LPG\)](#) और बजिली कनेक्शन तक पहुँच।
 - **लागत साझाकरण:** केंद्र और राज्य मैदानी क्षेत्रों के मामले में **60:40** के अनुपात में व्यय साझा करते हैं, तथा **पूर्वोत्तर राज्यों**, दो हिमालयी राज्यों (हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड) और केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के मामले में **90:10** के अनुपात में व्यय साझा करते हैं।
 - **लक्ष्य सहित अन्य केंद्रशासित प्रदेशों के मामले में केंद्र 100% लागत वहन करता है।**
 - **SBM-G के तहत प्रगति:** सरकार ने **2.95 करोड़ घर बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।** अगस्त 2024 तक **2.94 करोड़ घरों को** मंजूरी दी जा चुकी है तथा 2.64 करोड़ घर बनकर तैयार हो चुके हैं, जिससे लाखों ग्रामीण परिवारों की जीवन स्थितियों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।
- **हालिया घटनाक्रम:** केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अगस्त 2024 में मौजूदा इकाई सहायता पर **दो करोड़ अतिरिक्त घरों के निर्माण के लिये वित्तीय सहायता को मंजूरी दी।**
 - SBM-G पात्रता मानदंड को लचीला बनाया गया है, और बाइक या स्कूटर के मालिक अब लाभार्थी सूची में शामिल हो सकते हैं **15,000 रुपए प्रतिमाह तक आय अर्जति करने वाले लोग** भी अब आवास के लिये पात्र होंगे (पहले सीमा 10,000 रुपए थी)।
- **वित्त वर्ष 2024-2029 तक चलने वाली इस पहल का उद्देश्य मौजूदा आवास आवश्यकताओं को पूरा करना, लगभग 10 करोड़ व्यक्तियों को**

लाभान्वति करना तथा उन लोगों के लिये सुरक्षति, स्वच्छ और सामाजिक रूप से समावेशी आवास सुनिश्चित करना है, जो वर्तमान में उचित आश्रय के बनिा या जीर्ण-शीर्ण परस्थितियों में जीवन-यापन कर रहे हैं।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

???????????????? ???? ?????

प्रश्न: राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मशिन ग्रामीण क्षेत्रीय नरिधनों के आजीविका वकिल्पों को सुधारने का कसि प्रकार प्रयास करता है? (2012)

1. ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में नए वनिर्माण उद्योग तथा कृषि वियापार केंद्र स्थापति करके
2. 'स्वयं सहायता समूहों' को सशक्त बनाकर और कौशल विकास की सुवधिरँ प्रदान करके
3. कृषकों को नःशुल्क बीज, उर्वरक, डीजल पंप-सेट तथा लघु सचिरई संयंत्र देकर

नमिनलखिति कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मशिन (NRLM) ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा कार्यानवति एक गरीबी उन्मूलन परयोजना है। यह योजना स्वरोजगार को बढ़ावा देने और ग्रामीण गरीबों के संगठन पर केंद्रति है। इस कार्यक्रम के पीछे मूल वचिर गरीबों को स्वयं सहायता समूहों (SHGs) में संगठति करना और उन्हें स्वरोजगार के लयि सक्षम बनाना है।
- NRLM के स्तंभ:
 - गरीबों हेतु मौजूदा आजीविका वकिल्पों को बढ़ाना और उनका वसितार करना,
 - साथ ही नौकरी के लयि कौशल का नरिमाण करना,
 - स्वरोजगार और उद्यमयिों का पोषण करना। अतः कथन 2 सही है।
- मशिन न तो बड़ी संख्या में नए वनिर्माण उद्योगों की स्थापना, न ही ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि वियवसाय केंद्र पर ध्यान केंद्रति करता है। इसका उद्देश्य बीज, उर्वरक, डीजल पंप-सेट एवं सूक्ष्म सचिरई उपकरण की आपूर्ति करना नहीं है। अतः कथन 1 और 3 सही नहीं हैं। अतः वकिल्प (b) सही उत्तर है।